

विपणन माध्यमों का परिपर्णता और किसानों की आय वृद्धि

कृषि कुंभ (सितंबर, 2023),
खण्ड 03 भाग 04, पृष्ठ संख्या 58-61



विपणन माध्यमों का परिपर्णता और किसानों की आय वृद्धि

हरिषत मिश्रा¹, डॉ. सुप्रिया² एवं दिव्यांशी मिश्रा³

¹शोध छात्र, ²सहायक प्राध्यापक, ³यंग प्रोफेशनल-II

कृषि अर्थशास्त्र विभाग,

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या (उ०प्र०) 224 229, भारत।

Email Id: wehars@gmail.com

1. प्रस्तावना:

विपणन, आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो वस्त्र, खाद्य, उपकरण और सेवाएँ आदि की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजार में उपलब्ध कराता है। यह व्यापारिक प्रक्रिया किसानों से लेकर उपभोक्ताओं तक कई प्रतिष्ठित चरणों में होती है जिससे वस्त्रों से लेकर नागरिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। विपणन का महत्व और इसके परिपर्णता के संदर्भ में, किसानों की आय में वृद्धि के संबंध का अध्ययन विशेष महत्व रखता है। विपणन का महत्व आर्थिक विकास में अत्यधिक होता है क्योंकि यह उत्पादों और सेवाओं को उनके उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने का माध्यम होता है। विपणन के माध्यम से उत्पादक किसानों को उनके उत्पादों की बेहतर मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिलता है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, विपणन के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार वस्त्र, खाद्य, और अन्य उत्पादों की आपूर्ति होती है, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार होता है।

विपणन की परिपर्णता एक महत्वपूर्ण विषय है जिससे किसानों की आय में वृद्धि के संबंध को समझा जा सकता है। विपणन की प्रक्रिया में उत्पादक किसानों का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है, क्योंकि उनके उत्पादों की गुणवत्ता और मात्रा पर निर्भरता उपभोक्ताओं के पसंदीदा ब्रांड बनाने में मदद करती है। किसानों की आय में वृद्धि के लिए, उन्हें विपणन के विभिन्न पहलुओं की जागरूकता होनी चाहिए। यह उन्हें उनके उत्पादों को बेहतर मार्केट में प्रस्तुत करने के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर सकता है। विपणन की विभिन्न रणनीतियाँ जैसे कि संबंध नेटवर्क बनाना, विपणन

में नवाचार लाना, और ग्राहकों के आकर्षण के लिए विशेष उत्सव आयोजित करना भी किसानों की आय में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, विपणन का महत्व और इसके परिपर्णता से किसानों की आय में वृद्धि के संबंध का अध्ययन करने से हम यह समझ सकते हैं कि विपणन किसानों के लिए आर्थिक सुविधाओं में सुधार और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार का माध्यम हो सकता है। उन्हें अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करके और विपणन की सवारी के माध्यम से बेहतर मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी आर्थिक वृद्धि हो सकती है।

2. परिपर्णता के स्रोत:

परिपर्णता एक व्यवसायिक गतिविधि है जिसमें उत्पादों या सेवाओं को उनके अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने की प्रक्रिया है। अच्छे विपणन कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्रोत होते हैं:

- **उत्पाद:** उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी प्रस्तुति का महत्वपूर्ण रोल होता है। उत्तम उत्पादों का निर्माण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, और लेबलिंग विपणन के सफलता में मदद करते हैं।
- **मार्गदर्शन:** सही विपणन मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण है। उत्पादों को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए उपयुक्त विपणन मार्गों की योजना तय करना आवश्यक होता है।
- **मूल्य निर्धारण:** उचित मूल्य निर्धारण उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित करता है। अत्यधिक मूल्य उपयोगकर्ताओं को पीछे धकेल सकता है, जबकि कम मूल्य निर्धारण कारोबार की लाभ क्षति कर सकता है।

- **प्रचारन और विपणन:** उत्पादों की चर्चा और प्रचारन सही विपणन के लिए महत्वपूर्ण होती है। सही प्रचारन उत्पादों की पहचान और उनकी प्रस्तुति में मदद करता है।
- **उपयोगकर्ता की समर्थन:** उत्पादों के साथ उपयोगकर्ता के बाद-बादश सेवा करने से उनकी संतुष्टि और विश्वास बढ़ता है।
- **विपणन रिसर्च:** विपणन रिसर्च सही निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है। उत्पादों की आवश्यकताओं, प्रतिस्पर्धाओं, और वाणिज्यिक मार्गदर्शन की जांच करना विपणन रणनीतियों को तैयार करने में मदद करता है।

अच्छे विपणन कार्यक्रम की आवश्यकता:

अच्छे विपणन कार्यक्रम की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से होती है:

- **किसानों की आय की वृद्धि:** अच्छे विपणन कार्यक्रम से किसानों की आय में वृद्धि होती है क्योंकि उनके उत्पादों को सही माध्यमों के माध्यम से बाजार में पहुँचाया जाता है।
- **सही मूल्य निर्धारण:** अच्छे विपणन कार्यक्रम से उत्पादों का सही मूल्य निर्धारण होता है, जो उपयोगकर्ताओं को उचित मूल्य पर उपलब्ध होने का लाभ प्रदान करता है।
- **व्यापारिक मार्गों का विकास:** अच्छे विपणन कार्यक्रम से नए और सही व्यापारिक मार्ग खोजे जा सकते हैं, जो उत्पादों को उपयोगकर्ताओं तक पहुँचाने में मदद कर सकते हैं।
- **विपणन प्रवृत्तियों का अध्ययन:** विपणन प्रवृत्तियों के अध्ययन से उत्पादों को बेहतर तरीकों से बाजार में प्रस्तुत करने के लिए नई रणनीतियाँ विकसित की जा सकती हैं।
- **प्रतिस्पर्धा में अग्रणी:** अच्छे विपणन कार्यक्रम से व्यवसायी अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे निकल सकते हैं, क्योंकि उनके पास सही विपणन रणनीतियाँ होती हैं।

सांविदानिकीकरण के माध्यम से ब्याज दरों की सुरक्षा:

सांविदानिकीकरण, या ब्याज दरों की सुरक्षा, विपणन के प्रमुख माध्यमों में से एक है। यह किसानों को उचित ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने में मदद करता है ताकि उन्हें व्यापारिक सक्षमता की बढ़ोतरी हो सके। सांविदानिकीकरण के माध्यम से ब्याज दरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है और किसानों को वित्तीय संरचना में सुधार करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, सही विपणन कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि होती है, उनकी समृद्धि में मदद होती है, और अच्छे व्यापारिक रिश्तों का निर्माण होता है, जिससे कि विपणन श्रृंखला सफलतापूर्वक सामर्थ्य का निर्माण कर सके।

3. विभिन्न विपणन माध्यम:

विपणन माध्यम व्यापार की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ये उत्पादों को उनके उपभोक्ताओं तक पहुँचाते हैं। विभिन्न विपणन माध्यमों के माध्यम से उत्पादों की पहुँच को सुनिश्चित किया जाता है:

- **सब्जी मंडियाँ:** सब्जी मंडियाँ भारत में विभिन्न जगहों पर स्थित होती हैं जहाँ किसान अपने उत्पादों को बेचते हैं। ये मंडियाँ उत्पादों की मूल पहुँच होती हैं और उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **आधुनिक रिटेल चेन्स:** आधुनिक रिटेल चेन्स जैसे सुपरमार्केट्स और हाइपरमार्केट्स उपभोक्ताओं को उत्पादों की विशाल विकल्प सूची प्रदान करते हैं। ये चेन्स स्वतंत्र उत्पादकों और किसानों के बीच मध्यस्थ होते हैं और उत्पादों को बड़े पैमाने पर बाजार में प्रस्तुत करते हैं।
- **ऑनलाइन विपणन मंच:** डिजिटल युग में, ऑनलाइन विपणन मंच जैसे ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और मोबाइल ऐप्स भी विपणन के महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं। ये मंच उपभोक्ताओं को आसानी से उत्पादों की खरीददारी करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो किसानों को भी नए विपणन अवसरों का लाभ उठाने में मदद कर सकता है।

सब्जी मंडियों का आधुनिकीकरण और आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार:

आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके सब्जी मंडियों के आधुनिकीकरण में सुधार किया जा सकता है।

डिजिटल खरीददारी प्रणालियों का अवलोकन कर बेहतर आपूर्ति प्रबंधन किया जा सकता है, जिससे उत्पादों की व्यापारिक गति बढ़ सकती है और उत्पादकों की आय में सुधार हो सकता है।

ऑनलाइन विपणन मंचों का प्रभाव:

ऑनलाइन विपणन मंचों के प्रसार से, किसान अपने उत्पादों को विश्वभर में बेच सकते हैं और अधिक विपणन अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। ये मंच गुरुकुलों की तरह किसानों को उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता, पैकेजिंग, और प्रमोशन की जानकारी प्रदान करते हैं।

सहकारिता मॉडल और किसानों की आय में वृद्धि का संभावित पूर्वानुमान:

सहकारिता मॉडल के माध्यम से, किसान सामूहिक रूप से उत्पादों की खरीददारी, उत्पादन, और विपणन का प्रबंधन कर सकते हैं। इससे उनकी शक्ति बढ़ती है और उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। सहकारिता मॉडल के द्वारा, किसान संगठन बना सकते हैं जिससे उनकी मानव संसाधन, वित्तीय संसाधन, और तकनीकी सहायता में सुधार हो सकता है। इन सभी माध्यमों के संयोजन से, सब्जी विपणन के क्षेत्र में उत्पादकों की आय में सुधार संभावित है और उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों का आसानी से पहुँच मिल सकता है।

4. समस्याएँ और चुनौतियाँ:

विपणन माध्यमों में नकली एवं असंतोषजनक प्रथाएँ:

- **नकली उत्पाद:** विपणन माध्यमों में नकली उत्पादों की प्रचुरता बढ़ रही है, जो ग्राहकों को धोखा देती है। यह नकली उत्पाद आमतौर पर असमय बिगड़ जाते हैं और गुणवत्ता में कमी होती है।
- **असंतोषजनक विज्ञापन:** विपणन माध्यमों में असंतोषजनक विज्ञापनों का प्रचुर प्रयोग होने से, उपभोक्ताओं की भ्रमिति और असमय खरीद की ताकत बढ़ जाती है।
- **पैकेजिंग और प्रस्तावना:** कुछ बार अच्छे उत्पादों को भी आकर्षक पैकेजिंग और प्रस्तावना के माध्यम से दिखाने की कोशिश की जाती है, जिससे ग्राहक उत्पाद की असली गुणवत्ता को नहीं पहचान पाते हैं।

विपणन माध्यमों में बाधाएँ और समस्याएँ:

- **अव्यवस्थित प्रसंगीकरण:** कई विपणन माध्यम उपभोक्ताओं को सही जानकारी नहीं प्रदान करते, जिससे उन्हें उचित निर्णय लेने में मुश्किल हो सकती है।
- **अस्पष्ट मूल्य निर्धारण:** कुछ विपणन माध्यम में उत्पादों के मूल्य को स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं किया जाता, जिससे उपभोक्ताओं को मूल्य की समझ में कठिनाई होती है।
- **गोपनीयता और सुरक्षा की समस्याएँ:** ऑनलाइन विपणन में गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा की समस्याएँ हो सकती हैं, जिससे उपभोक्ताओं का आत्मविश्वास कम हो सकता है।
- **सेवा की कमी:** कुछ बार उपभोक्ताओं की सेवा में कमी होती है, जैसे कि उत्पादों की वितरण में देरी, सही जानकारी की कमी, आदि।

किसानों की असमान ताकत के कारण न्यूनतम मूल्यों का सामना:

- **मध्यमों की दोपहरी कर:** किसानों के पास विपणन माध्यमों से सीधे संवाद करने का साधन नहीं होता, जिससे मध्यम लोग उनकी मेहनत का फायदा उठा सकते हैं।
- **अधिक मध्यम:** किसानों के पास विभिन्न विपणन माध्यमों के प्रति ज्ञान की कमी हो सकती है, जिससे उन्हें उचित मूल्य में उत्पादों की बिक्री में कठिनाई हो सकती है।
- **विपणन का नौकरशाही सिस्टम:** किसानों के पास विपणन में नौकरशाही सिस्टम की कमी हो सकती है, जिससे उन्हें अपने उत्पादों को विपणन में सही मूल्य पर पहुँचाने में मुश्किल हो सकती है।
- **उपभोक्ता और मध्यम की प्राथमिकता:** अक्सर उपभोक्ताओं और मध्यमों की आपसी प्राथमिकताएँ होती हैं, जिससे किसानों के मूल्यों में अनुचित कटौती हो सकती है।

इन समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकारी नीतियों की आवश्यकता है जो विपणन माध्यमों को नियंत्रित करते हैं और उपभोक्ताओं के हित में सुधार करते हैं, साथ ही किसानों को

विपणन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के उपायों की भी जरूरत है।

5. संभावित समाधान:

सरकारी नीतियाँ और उपाय विपणन माध्यमों की गुणवत्ता और परिपूर्णता की निगरानी किसानों को नए विपणन मॉडलों के साथ अवगत कराने के उपाय विपणन माध्यमों की गुणवत्ता और परिपूर्णता की निगरानी और किसानों को नए विपणन मॉडलों के साथ अवगत कराने के लिए, सरकार को विभिन्न नीतियों और उपायों की प्राथमिकता देनी चाहिए:

- **डिजिटल प्लेटफॉर्मों की प्रोत्साहन:** सरकार को डिजिटल विपणन प्लेटफॉर्मों को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियाँ बनानी चाहिए, जिनमें गुणवत्ता, परिपूर्णता, और सुरक्षा के मानकों का पालन किया जाए। इन प्लेटफॉर्मों को विभिन्न बाजारों और उत्पादों के लिए उपलब्ध कराने चाहिए ताकि किसान विकल्पों की चयन सुविधा से कर सकें।
- **गुणवत्ता मानकों का पालन:** सरकार को उन विपणन माध्यमों को प्रोत्साहित करना चाहिए जिनमें उच्च गुणवत्ता के मानकों का पालन किया जाता है। उत्पादों की प्रमाणित गुणवत्ता और मानकों का आकलन करने के लिए तकनीकी माध्यम और प्रमाणपत्र प्रणालियों का प्रयोग किया जा सकता है।
- **किसानों को शिक्षा और प्रशिक्षण:** किसानों को नए विपणन मॉडलों, डिजिटल विपणन, और गुणवत्ता मानकों के बारे में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सकती है, जो किसानों को नए विपणन मॉडलों के बारे में जागरूक कर सकते हैं।
- **कृषि स्टार्टअप का प्रोत्साहन:** सरकार को कृषि संबंधित स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियाँ बनानी चाहिए। ये स्टार्टअप नए और विनोदी विपणन मॉडलों की विकास और प्रोत्साहन में मदद कर सकते हैं, जो किसानों को बेहतर मूल्य और विपणन विकल्प प्रदान कर सकते हैं।

- **खुदरा बाजारों का संवर्धन:** खुदरा बाजारों को मजबूत और स्थायी बनाने के लिए सरकार को नीतियाँ बनानी चाहिए। ये बाजार किसानों के उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाने में मदद कर सकते हैं और विपणन की प्रक्रिया को सुगम बना सकते हैं।

- **संबंधित अनुसंधान और डेटा संग्रहण:** सरकार को किसानों के लिए उपयुक्त विपणन मॉडलों की निगरानी के लिए अनुसंधान और डेटा संग्रहण को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यह डेटा किसानों के विपणन विकल्पों को समझने में मदद कर सकता है और उन्हें सही निर्णय लेने में सहायक हो सकता है।

समर्पित नीतियों, प्रोत्साहन, और शिक्षा के साथ, सरकार किसानों को नए विपणन मॉडलों के साथ अवगत कराने में मदद कर सकती है जो उनके आर्थिक दृष्टिकोण को मजबूती देने में मदद करेंगे।

6. निष्कर्ष

इस आधार पर, हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि विपणन माध्यमों का परिपूर्णता और किसानों की आय में साक्षात्कार्यक और महत्वपूर्ण संबंध है। विपणन के विभिन्न माध्यम जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक व्यापार, विपणन संबंधित प्रौद्योगिकियों के अवलोकन ने दिखाया कि इन माध्यमों का सशक्त उपयोग करके किसान अपने उत्पादों की विपणन की प्रक्रिया में सुधार कर सकते हैं। इसके साथ ही, यह अध्ययन प्रमुखतः उन आयात और निर्यात कार्यों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है जो व्यापारिक प्रवाह को प्रभावित करते हैं। विभिन्न विपणन माध्यमों का सही चयन और उनके तंत्रों की समझ में वृद्धि करने से, किसान अधिक मार्जिन प्राप्त कर सकते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार सकता है। इससे सामने आने वाले समय में विपणन के क्षेत्र में और भी नए उद्यम और संभावनाएं खुल सकती हैं जो किसानों को उनकी आय को बढ़ाने का और बेहतर मार्जिन प्राप्त करने का एक नया माध्यम प्रदान कर सकते हैं। अग्रणी तकनीकी नवाचारों के साथ, किसानों को बेहतर विपणन और आय वृद्धि की संभावनाएं हैं, जो साथ ही साथ उनके जीवन को भी सुखद और सुरक्षित बना सकती हैं।